अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में राजस्थान मंडप का आकर्षण – कालीसिन्ध बिजली परियोजना का मॉडल

नई दिल्ली में प्रगति मैदान पर चले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान मंडप में ऊर्जा विभाग द्वारा राज्य की विद्युत क्षेत्र में उपलब्धियो और भावी योजनाओं के संबंध में सुरुचिपूर्ण ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदर्शित की गई। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा झालावाड में निर्माणाधीन कालीसिन्ध ताप बिजली परियोजना का 5 फीट गुणा 7 फीट का मॉडल दर्शको का विशेष ध्यान आकर्षित किया और आमजन ने परियोजना के संबंध में विस्तृत सूचनाएं प्राप्त की।

कालीसिन्ध परियोजना में प्रत्येक 600 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां लगाई जा रही है। प्रदेश में पहली बार इतनी बडी क्षमता की इकाइयां स्थापित की जा रही है। अभी तक यहां अधिकतम 250 मेगावाट क्षमता की इकाइयां है। कोयले पर आधारित इस बिजली परियोजना की पहली इकाई से दिसम्बर 2011 में तथा दूसरी इकाई से मार्च 2012 में विद्युत उत्पादन आरम्भ किए जाने का लक्ष्य है।

कालीसिन्ध परियोजना में प्रत्येक 600 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां लगाई जा रही है। प्रदेश में पहली बार इतनी बडी क्षमता की इकाइयां स्थापित की जा रही है। अभी तक यहां अधिकतम 250 मेगावाट क्षमता की इकाइयां है। कोयले पर आधारित इस बिजली परियोजना की पहली इकाई से दिसम्बर 2011 में तथा दूसरी इकाई से मार्च 2012 में विद्युत उत्पादन आरम्भ किए जाने का लक्ष्य है।

कालीसिन्ध, झालावाड सहित इस समय बारां जिले के छबडा ताप बिजलीघर इकाई 2, 3 व 4 का निर्माण कार्य चल रहा है जिनकी प्रत्येक की क्षमता 250 मेगावाट है। इकाई 2 को अगले वर्ष मार्च में तथा इकाई 3 व 4 को वर्ष 2011 के अक्टूबर व दिसम्बर माह में चालू करने का लक्ष्य है।

इनके अलावा रामगढ गैस ताप बिजलीघर में 160 मेगावाट की दो इकाइयां, गिरल में लिग्नाइट आधारित प्रत्यक 125 मेगावाट क्षमता की तीसरी व चौथी इकाई तथा छबडा में प्रत्येक 660 मेगावाट की पांचवी व छठी एवं सूरतगढ में प्रत्येक 660 मेगावाट क्षमता की सातवी और आठवीं सुपर क्रिटिकल इकाइयां स्थापित करने का प्राथमिक कार्य शुरु कर दिया गया है। इन सभी इकाइयों की सम्मिलित क्षमता 5000 मेगावाट है तथा वर्ष 2013–14 तक इनका निर्माण कार्य पूर्ण कर लिये जाने का लक्ष्य है।